लम्बोदराय सकलाय जगत् हिताय नागाननाय श्रुतियज्ञभूषिताय, Bhajans Bhakti Songs

लम्बोदराय सकलाय जगत् हिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञभूषिताय,
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ॥
ॐ भूर्भुवः स्वः गणपते !

इहागच्छ इहातिष्ठ सुप्रतिष्ठो भव
मम पूजा गृहाण !ॐ
गणानान्त्वा गणपति (गुँ) हवामहे
प्रियाणान्त्वा प्रियपति (गुँ) हवामहे

निधिनान्त्वा निधिपति (गुँ) हवामहे
वसो मम । आहमजानि
गर्भधमात्वमजासि गर्भधम् ॥
देवों के प्रिय विघ्ननियन्ता,

लम्बोदर भव-भय हारी ।
गिरिजानन्दन देव गजानन,
यज्ञ-विभूषित श्रुतिधारी ॥

मंगलकारी दुःख-विदारी,

तेजोमय जय वरदायक ।
बार-बार जय नमस्कार,
स्वीकार करो हे गणनायक ॥
देव आइये यहाँ बैठिये,

पूजा को करिये स्वीकार ।
भूर्भुवः स्वः सुख समृद्धि के,
खोल दीजिये मंगल द्वार ॥
गणनायक वर बुद्धि विधायक,

सदा सहायक भय-भंजन ।
प्रियपति, अति प्रिय वस्तु प्रदायक,
जगत्राता जन-मन-रंजन ॥
निधिपति, नव-निधियों के दाता,

भाग्य-विधाता भव-भावन ।
श्रद्धा से हम करते सादर,
देव ! आपका आवाहन ॥
विश्व उदर में टिका आपके,

विश्वरूप गणराज महान ।
सर्व शक्ति संचारक तारक,
दो अपने स्वरूप का ज्ञान ॥

Source:
https://www.bharattemples.com/lambodaraay-sakalaay-jagat%e2%80%8c-hitaay/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw